# DOON UNIVERSITY
# NEWSPAPER CLIPPING SERVICES

## बुजुर्गों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। भारत तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जिसमें बुजुर्ग आबादी के सामने उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक मुद्दों से जुड़ी कई समस्याएं सामने आ रही हैं। यह बात मंगलवार को दून विवि पहुंचे वरिष्ठ इजरायली जेरोन्टोलॉजिस्ट असफ पैट्रिक ने कही।

पैट्रिक ने दून विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की ओर से आयोजित संवाद सत्र में छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण, शहरीकरण, तकनीकी परिवर्तनों और सामाजिक मूल्यों के कमजोर होने के प्रभाव में, बुजुर्ग समुदाय तेजी से प्रभावित होने वाला है, जब तक कि सरकार, नागरिक समाज और आम लोग महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाते हैं। पैट्रिक ने इस बात पर जोर दिया कि बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता और उनकी विशिष्ट जरूरतों को समझने की विशेष आवश्यकता है। उन्होंने बुजुर्गों की बिगड़ती याददाश्त और मानसिक स्वास्थ्य पर नजर रखने और उन्हें खेल खेलने और मनोरंजन और सांस्कृतिक जीवन देने जैसी मानसिक गतिविधियों में शामिल करने की जरूरत पर चर्चा की। दून विवि के प्रोफेसर हर्ष डोभाल ने कहा कि पारंपरिक रूप से बुजुर्ग लोगों को पश्चिमी समाज की तुलना में भारतीय समाज में उच्च स्थान प्राप्त है।

दून विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग के संवाद में मौजूद वरिष्ठ इजरायली जेरोन्टोलॉजिस्ट असफ पैट्रिक, छात्र-छात्राएं और स्टाफ। • हिन्दुस्तान

News paper – Hindustan (Hindi)
Date - 09.10.2024